24-04-2023

पर्यावरण संरक्षण के लिए धरा का श्रृंगार जरूरी

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में विश्व पृथ्वी दिवस का आयोजन

दैनिक देश मोर्चा
संवाददाता मनी वर्मा

विश्व पृथ्वी दिवस राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों द्वारा बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न छात्रावासों के आसपास स्टाफ और छात्रों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। यह हमारा कर्तव्य है कि हम कोई भी गतिविधि ऐसी न करें बचाएं जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए जो अंततः हम सभी को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करे चर्चा करने और लागू करने के लिए बहुत कुछ है लेकिन इस दिन हमें अधिक पेड़ लगाने, पानी बचाने कचरे को कम करने और पुनर्चक्रण करने का संकल्प लेना होगा नरेंद मोहन, निदेशक, राशीय शर्करा संस्थान ने कहा। चीनी उद्योग, हरित ऊर्जा और पानी के लिए भी एक संभावित स्रोत से सकता है, जो पर्यावरण के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। निदेशक ने कहा कि इथेनॉल, बायोमास आधारित ऊर्जा और फिल्टर फेक आधारित कम्प्रेसट बायो गैस उत्पादन के माध्यम से चीनी उद्योग से हरित ऊर्जा निश्चित रूप से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगी।

संस्थान के कठिन प्रयासों से यह संभव हो पाया है कि आज कई चीनी कारखाने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए छोई ताजा पानी नहीं ले रहे अपितु सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध करा रहे हैं उन्होंने कहा कि प्रसंस्करण के दौरान निकले गये में उपलब्ध पानी का अब काफी हद तक पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण किया जा रहा है प्रभावी वेस्ट मैनेजमेन्ट और मूल्य वर्धित उत्पादों में इसका रूपांतरण न केवल हमारी पृथ्वी को बचाने में मदद कर सकता है बल्कि चीनी और इथेनॉल इकाइयों की आय बढ़ाने में भी मदद कर सकता है। इस प्रकार यह भी एक महत्वपूर्ण पहलू है जिस पर संस्थान और उद्योग एक साथ काम कर रहे हैं, शर्करा इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर अनूप कनौजिया ने कहा।

छात्रों और कर्मचारियों ने विश्व पृथ्वी दिवस धूमधाम से मनाया

कानपुर (नगर छाया समाचार)। विश्व पृथ्वी दिवस राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों द्वारा बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न छात्रावासों के आसपास स्टाफ और छात्रों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।

यह हमारा कर्तव्य है कि हम कोई भी गतिविधि ऐसी न करें बचाएं जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए जो अंततः हम सभी को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करे। चर्चा करने और लागू करने के लिए बहुत कुछ है लेकिन इस दिन, हमें अधिक पेड़ लगाने, पानी बचाने, कचरे को कम करने और पुनर्चक्रण करने का संकल्प लेना होगा, श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने कहा।

चीनी उद्योग, हरित ऊर्जा और पानी के लिए भी एक संभावित स्रोत हो सकता है, जो पर्यावरण के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। निदेशक ने कहा कि इथेनॉल, बायोमास आधारित ऊर्जा और फिल्टर केक आधारित कम्प्रेस्ड बायो-गैस उत्पादन के माध्यम से चीनी उद्योग से हरित ऊर्जा निश्चित रूप से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगी। संस्थान के कठिन प्रयासों से यह संभव हो पाया है कि आज कई चीनी कारखाने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कोई ताजा पानी नहीं ले रहे अपितु सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रसंस्करण के दौरान निकले गन्ने में उपलब्ध पानी का अब

काफी हद तक पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण किया जा रहा है। प्रभावी वेस्ट मैनजमेन्ट और मूल्य वर्धित उत्पादों में इसका रूपांतरण न केवल हमारी पृथ्वी को बचाने में मदद कर सकता है। बल्कि चीनी और इथेनॉल इकाइयों की आय बढ़ाने में भी मदद कर सकता है। इस प्रकार, यह भी एक महत्वपूर्ण पहलू है जिस पर संस्थान और उद्योग एक साथ काम कर रहे हैं, शर्करा इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर श्री अनूप कनौजिया ने कहा।

पौधे लगाने, पानी बचाने, कचरा कम करने और पुनर्चक्रण का संकल्प लिया

एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन की अगुवाई में परिसर में छात्रों, कर्मचारियों ने किया पौधरोपण

कानपुर, 23 अप्रैल। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों की ओर से आज विश्व पृथ्वी दिवस बड़े ही उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। संस्थान के प्रांगण में विभिन्न प्रयोगशालाओं के आसपास स्टाफ और छात्रों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि कोई भी गतिविधियां ऐसी न करें जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए। हम सभी को प्रतिकूल रूप से प्रभावित न करें। चर्चा करने के साथ ही सभी लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने, पानी बचाने, कचरे को कम करने और पुनर्चक्रण करने का संकल्प लेना चाहिए। चीनी उद्योग, हरित ऊर्जा और पानी के लिए एक संभावित स्रोत हो सकता है जो पर्यावरण के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। निदेशक ने कहा कि इथेनॉल, बायोमास आधारित ऊर्जा और फिल्टर केक आधारित कम्प्रेस्ड बायो गैस

पौधरोपण करते निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन व अन्य।

उत्पादन के माध्यम से चीनी उद्योग से हरित ऊर्जा विभिन्न रूप से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगी। आज कई चीनी कारखाने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कोई ताजा पानी नहीं ले रहे अपितु सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रसंस्करण के दौरान निकले गन्ने में उपलब्ध पानी का अब काफी हद तक पुनः उपयोग किया जा रहा है। शर्करा इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर अनूप कनौजिया ने कहा कि प्रभावी वेस्ट मैनेजमेंट और मूल्य वर्धित उत्पादों में इसका रूपांतरण न केवल हमारी पृथ्वी को बचाने में मदद कर सकता है। बल्कि चीनी और इथेनॉल इकाइयों की आय बढ़ाने में मदद कर सकता है। संस्थान और उद्योग एक साथ काम कर रहे हैं, जोकि चीनी उद्योग के साथ सह उत्पादों को भी बढ़ावा मिलने से किसानों की आय वृद्धि भी होगी।